मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CVG–003

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र (सी. वी. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

सी.वी.जी.-003 : वैदिक बीजगणित

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *किन्हीं* ***पाँच*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. बीजगणित की परिभाषा देते हुए उसकी उत्पत्ति एवं क्रमिक विकास को समझाइए। 20

2. 'गुणित-समुच्चयः' तथा 'गुणक-समुच्चयः' दोनों सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 20

3. 3645×35 का रूप-गुणा विधि से तथा 125×15 का इष्ट-गुणा विधि से गुणा कीजिए। 20

4. वर्ग किसे कहते हैं ? 'समद्विघातः कृतिरुच्यते' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 20

5. बीजगणित के क्षेत्र में योगदान देने वाले किन्हीं **दो** भारतीय आचार्यों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व लिखिए। 20

6. निम्नलिखित श्लोक की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए : 20

भक्तो गुण: शुध्यति येन तेन लब्ध्या च गुण्यो गुणित: फलं वा।

द्विधा भवेत् रूपविभाग: एव स्थानै: पृथग्वा गुणित: समेता:॥

अथवा

स्व-स्वोपरिष्टाच्च तथाऽपरेऽङ्का: त्यक्त्वा-अन्त्यमुपसार्य पुनश्च राशिम्।

खण्डद्वयस्याभिहतिर्द्विनिघ्नी तत्खण्डवर्गैक्ययुता कृतिर्वा॥

× × × × ×